Main Bhi Dilli
Ab Sheher Saath Banayenge

विषय विशेष परिचय

MPD 2041 में जेंडर से जुड़े मुद्दे

फोटो साभार: "वाई लॉयटर"

पिछले दिल्ली मास्टर प्लान में किए गए पारंपरिक योजना अभ्यासों में जेंडर के मुद्दों को ऐतिहासिक रूप से उपेक्षित किया गया है चूँकि पुरानी योजनाओं ने एक नागरिक के रूप मे एक ऐसे व्यक्ति की कल्पना की है जो शारीरिक रूप में सक्षम, विषमलैंगिक, जेंडर कन्फर्मिंग आदमी की कल्पना की है | इसका मतलब जो लोग भी इन श्रेणी में नहीं आते जैसे कि; महिलायें, ट्रानसजेंडर व्यक्ति, विकलांग व्यक्ति उनके लिए और उनके नज़रिए से शहर की कल्पना नहीं की गई है| शहर की पुनर्योजना के लिए ऐसे सामाजिक पदानुक्रम और जेंडर लेंस की कमी के कारण वर्ग, जाति, धर्म , यौनिक और जेंडर आधारित पहचानों के चौराहों पर आकर जो लोगों की ज़िंदगियों मे अंतर आता है और सेवाओं तक पहुँच या वंचित रह जाना भी आधारित होता है, वो गायब हो जाता है|

हमारा प्रस्ताव है कि योजना में जेंडर-मुख्यधारा के दृष्टिकोण को अपनाना भेदभाव और हाशिएकरण के मुद्दों पर ध्यान खींच सकता है ,इन चिंताओं को कम कर सकता है | यह दिल्ली के सभी नागरिकों के लिए एक सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत शहर की कल्पना करने में मदद कर सकता है।

"मैं भी दिल्ली" लोगों का एक अभियान है जो एक अधिक समावेशी शहर की कल्पना करने और उसे सक्षम बनाने का लक्ष्य रखता है। यह नागरिक -समाज संगठनों, कार्यकर्ताओं, शोधकर्ताओं और अन्य लोगों का एक समूह है जो आवास, आजीविका, जेंडर और अन्य अधिकारों के विभिन्न मुद्दों पर काम करते हैं।

शहर में जेंडर से जुड़े मुद्दे

यह विषयगत परिचय उन सभी तरीकों की तरफ संकेत करता है जिसमें MBD अभियान के विभिन्न भाग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से योजना के लिए एक जेंडर -मुख्यधारा के दृष्टिकोण को संबोधित करते हैं। शहर पुनर्योजना और महिलाओं के मुद्दों के बारे में बात करें तो दिल्ली में उनकी सुरक्षा और यौन हिंसा व अपराध के सवाल ही सबसे पहले उठते हैं जो कि ज़रूरी हैं भी , पर केवल यही मुद्दे नहीं हैं जो जेंडर , शहरीकरण और प्लानिंग के मुद्दों को समझने या सुलझाने के लिए काफ़ी हैं | उदाहरण के लिए, संशोधित तथ्य यह है कि पूरे भारतीय और विशेष रूप से दिल्ली के स्तर पर, महिलाओं की संगठित और असंगठित कार्य क्षेत्र में श्रम बल की भागीदारी दर काफ़ी निम्न है, जिस पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता है| यह मुद्दा विशेष रूप से शहरीकरण, उसकी रूप रेखा और उसके लिए बनने वाली योजनाओं के रूप से काफ़ी अहम है | यह शहर की रूप रेखा, उसमें सेवाओं तक पहुँच और कौन कितनी भागीदारी और फ़ैसले लेने की प्रक्रिया तक पहुँच पाते हैं, उसके द्रष्टिकोण से भी बेहद ज़रूरी है |

MBD अभियान के लिए, नीचे दिए गए आरेख से पता चलता है कि जेंडर यानी सामाजिक स्तर पर तय किए गये महिला- पुरुष और ट्रांस जेंडर समुदाय (हिजड़ा समुदाय वगेरह) के बीच संसाधनों, सत्ता और प्रतिनिधित्व , रोज़गार जैसे अहम पहलुओं मे अंतर जैसे कि कुछ लोग अपनी पहचान की वजह से समाज में भेद भाव झेलते हैं और बुनियादी ज़रूरतों से वंचित रह जाते हैं | इसीलिए जेंडर के मुद्दे कई तरह से योजना के भीतर होने वाले अलग अलग क्षेत्रों के बीच उभरते हैं और उन्हें आकार भी देते हैं | यह व्यक्तिगत फैक्टशीट्स इन अंतरक्रियाओं का पाठकों के लिए हर पहलू पर विस्तार करती हैं | इस विषयगत परिचय के अंतिम पृष्ठ उन तथ्यों के दस्तावेज़ों से MPD 2041 के लिए माँगों और सुझावों को सारांशित करते हैं।

जेंडर और प्लानिंग : अंतर्क्रियाओं को मापना

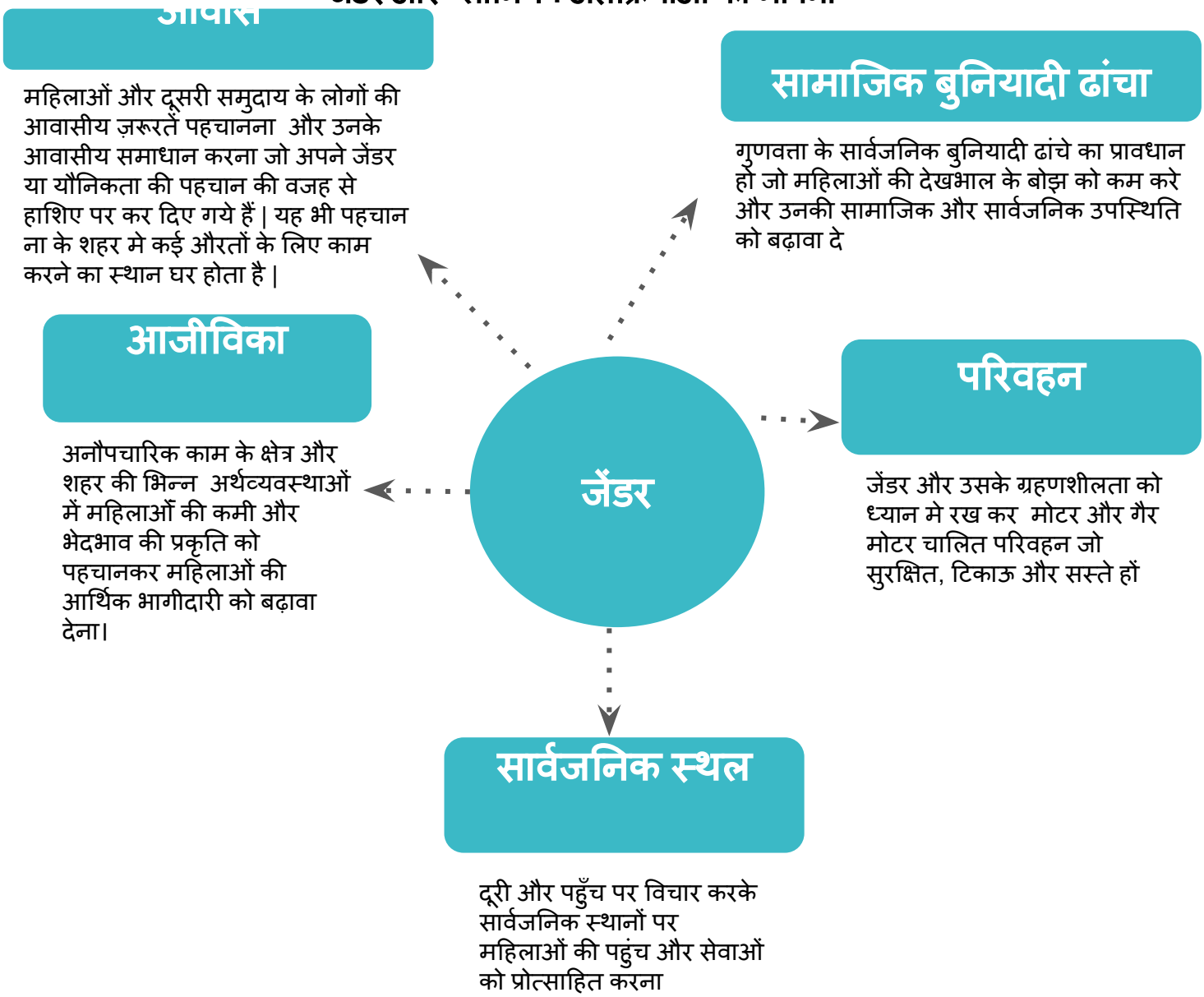

MBD'41 जेंडर संवेदनशीलता और समावेश के लिए क्या कर सकता है?

1 **प्लानिंग के लिए जेंडर- आधारित डेटा का उपयोग हो**

- विभिन्न संकेतकों पर जेंडर पर आधारित अलग की गई जानकारी को इकट्ठा किया जाए

आर्थिक क्षेत्र में औरतों की भागीदारी को बढ़ावा

2 - असंगठित कार्य क्षेत्र को मान्यता और सरंक्षण, जिसके साथ ख़ासकर महिलाओं और अन्य शोषित लोगों के लिए रोज़गार और अन्य सुरक्षा व फायदे हों
- नियंत्रण और निर्माण नियमों में कार्यक्षेत्र के रूप में घर को भी मान्यता मिले
- औद्योगिक और आर्थिक क्षेत्रों के लिए जगह संबंधी योजनाएँ महिलाओं और अन्य जेंडर के लोगों की निम्न रोज़गार और आर्थिक सुरक्षा की स्थिति को ध्यान मे रखते हुए बने
- आर्थिक गतिविधि की जगहों पर, ख़ासकर महिला श्रमिकों के लिए पड़ोस की जगहों में सामुदायिक कार्य स्टेशन, महिलाओं द्वारा संचालित बाजार, कौशल निर्माण केंद्र के लिए **आरक्षित स्थान बने**

3 **महिलाओं के सुलभ और सस्ते आवास की ज़रूरत पूरी करना**

- बेघर महिलाओं और अन्य जेंडर के लोगों के लिए सस्ते और सुरक्षित आवास का समाधान
- आजीविका पर होने वाले नुकसान को रोकने के लिए लोगों और उनकी बस्तियों के निष्कासन नीति पर रोक लगे और वर्तमान बस्तियों मे उसके महिलाओं पर होने वाले दुष्प्रभाव का समाधान हो
- क्षेत्रीकरण के वक़्त घर पर होने वाले आर्थिक गतिविधियों को भी जगह मिले
- झुग्गी झोपड़ी क्लस्टर और निम्न संसाधन पाने वाले क्षेत्रों मे बुनियादी सेवाओं और सामाजिक ढाँचे का विस्तार और उन्नयन हो

सार्वजनिक सामाजिक व्यवस्था के ढाँचों के लिए
4 **भरपूर स्थान**

- पड़ोस के स्तर पर बाल देखभाल केंद्र
- महिलाओं और अन्य जेंडर के लोगों के लिए वार्ड स्तर पर बहुउद्देशीय केंद्र
- महिलाओं और अन्य जेंडर के लोगों की गतिशीलता और उपस्थिति को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों के लिए विशेष आवंटन

5 **जेंडर संवेदनशील यातायात प्लानिंग**

- परिवहन की योजना जेंडर के आधार पर भेद-भाव और उसका गतिशीलता और सार्वजनिक स्थानों तक पहुँच पर असर को ध्यान मे रखकर और गतिशीलता को बढ़ावा देने हेतु बने
- सुरक्षित और सस्ती , पहली और आखिरी मील तक स्थानीय पहुँच पर जोर।

प्लानिंग में सभी वर्ग,जाति, जेंडर से जुड़ें लोगों की भागीदारी बढ़े

6 - हर योजना प्रक्रिया में महिलाओं और उन लोगों की भागीदारी बढ़ाना जिनका अपने जेंडर या यौनिकता की वजह से निम्न प्रतिनिध्व है और ऐतिहासिक दमन होता आ रहा है
- मास्टर प्लान के पूरे आलेख को जेंडर और उसके वजह से शहरी स्वरूप और ढाँचे पर असर की दृष्टिकोण से लिखा जाए और उसमें एक भाग जेंडर और उसके संवेदनशीलता को लेकर लिए गये कदम और योजनाओं पर हो

सार्वजनिक स्थानों और उनके प्रयोग को बढ़ावा

7 - सार्वजनिक अनौपचारिक रोज़गार जैसे सड़क विक्रेताओं आदि के सहित एकीकृत और मिश्रित उपयोग क्षेत्रों को प्रोत्साहन
- "मृत धब्बों" का मानचित्रण और संबोधन
- मुफ़्त सार्वजनिक स्थलों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो

बुनियादी सेवाओं तक सबके लिए पहुँच बने

8 - सभी बस्तियों में पाइप लाइन , स्वच्छता और जल निकासी की व्यवस्था और विस्तार